कागजात प्रस्तुत करने में हुए विलंब के कारणों को दर्शाने वाला विवरण

(राज्य सभा/लोक सभा के पटल पर प्रस्तुत किए जाने हेतु)

संसद के दोनों सदनों में वर्ष 2016-17 के लिए राष्ट्रीय फ़िल्म विकास निगम (एनएफ़डीसी) की वार्षिक रिपोर्ट तथा लेखापरीक्षित लेखाओं को प्रस्तुत करने में विलंब वित्त वर्ष 2016-17 के लिए एनएफ़डीसी की वार्षिक रिपोर्ट के मुद्रण तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा सरकारी समीक्षा के अनुमोदन में देरी के कारण हुआ।

अधिप्रमाणित

राज्यवर्धन

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (सेवानिवृत्त)

सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़
सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री

राज्य सभा/लोक सभा पटल पर प्रस्तुत करने हेतु कागजात

नई दिल्ली

अधिप्रमाणित

दिनांक

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (सेवानिवृत्त)
सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
कर्नल राज्यवर्धन राठौड़
सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

वर्ष 2016-17 के लिए राष्ट्रीय फ़िल्म विकास निगम के कार्यकरण पर सरकार द्वारा समीक्षा

1. राष्ट्रीय फ़िल्म विकास निगम लिमिटेड (एनएफ़डीसी) की स्थापना वर्ष 1975 में भारत सरकार द्वारा भारतीय फिल्म उद्योग के संगठित, प्रभावी एवं समन्वित विकास हेतु योजना बनाने तथा उसे प्रोत्साहन प्रदान करने के मुख्य उद्देश्य से की गई थी। वर्ष 1980 में एनएफ़डीसी के साथ पूर्ववर्ती फ़िल्म वित्त निगम (एफएफसी) तथा भारतीय चलचित्र निर्यात निगम (आईएमपीईसी) के विलनीकरण द्वारा एनएफ़डीसी की पुनर्रचना की गई।

2. कंपनी "विभिन्न भारतीय भाषाओं में फ़िल्म निर्माण" शीर्षक वाली सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की 12वीं पंचवर्षीय योजनागत स्कीम का कार्यान्वयन करती है जिसके अनुसार एनएफ़डीसी द्वारा फिल्म निर्माण संबंधी मौजूदा उप-नियमों के अनुसार फिल्मों का निर्माण/सह-निर्माण किया जाता है। तथापि, पिछले 4 वर्षों में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और एनएफडीसी के बीच वित्तीय व्यवस्था की समीक्षा के कारण केवल एक करोड़ रु. जारी किए गए है और ऐसा महसूस किया जाता है कि फिल्मों के उत्पादन में कमी आई है। एनएफडीसी ने वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान अपनी मुख्य गतिविधि यानि फीचर फ़िल्म निर्माण पर आय के अपने स्रोत से कोई भी धन खर्च नहीं किया है। यह भी ध्यान में आया है कि पिछले वर्षों में एनएफ़डीसी ने 'विभिन्न भारतीय भाषाओं में फ़िल्म निर्माण' योजना के तहत फिल्मों के निर्माण के लिए निर्धारित प्रावधानों का पालन नही किया है। सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) से प्राप्त एमओयू प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट वर्ष 2016-17 के अनुसार, एनएफडीसी की स्थिति "प्रारंभिक बीमार" सीपीएसई की है।

3. एनएफ़डीसी को वर्ष 2015-16 के दौरान 5.18 करोड़ रु., 2014-15 के दौरान 8.56 करोड़ रु., 2013-14 के दौरान 3.21 करोड़ रु. का नुकसान हुआ है। वर्ष 2016-17 के दौरान एनएफ़डीसी ने 7 लाख रु. का मामूली मुनाफा कमाया है। एनएफडीसी द्वारा अर्जित मुनाफा फ़िल्म निर्माण के अपने प्राथमिक उद्देश्य के कारण नहीं है बल्कि यह 2015 में भारत सरकार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विज्ञापन (ईएमए) नीति की बहाली के कारण है जो कि डीएवीपी का प्राथमिक उद्देश्य है। एनएफ़डीसी को अब तक 23 करोड़ रु. का संचित नुकसान हुआ है।